करेंट अफेयर्स
बिहार
(संग्रह)

दृष्टि The Vision

मई
2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

बिहार

- बिहार में विकास परियोजनाओं का उद्घाटन 3
- दूषित मध्याह्न भोजन 4
- बिहार में नीरा उत्पादन 5
- बुद्ध पूर्णिमा 5
- प्रधानमंत्री एफएमई योजना में बिहार प्रथम 7
- बिहार में खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का समापन 8
- बिहार सरकार ने गया का नाम परिवर्तित कर गया जी किया 10
- अंतर्राष्ट्रीय क्रेता-विक्रेता बैठक 2025 11
- iGOT कर्मयोगी प्लेटफॉर्म 12
- नालंदा विश्वविद्यालय 13
- बिहार से पद्म पुरस्कार 2025 के विजेता 15

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

बिहार

बिहार में विकास परियोजनाओं का उद्घाटन

चर्चा में क्यों

प्रधानमंत्री ने बिहार के एक दिवसीय दौरे के दौरान मधुबनी में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

मुख्य बिंदु

- **रेल कनेक्टिविटी और परियोजनाएँ:**
  - प्रधानमंत्री ने रेल कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिये कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की शुरुआत की।
  - सहरसा और मुंबई के बीच **अमृत भारत एक्सप्रेस,** जयनगर और पटना के बीच नमो भारत रैपिड ट्रेन और पिपरा, सहरसा तथा समस्तीपुर के बीच ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इसके साथ ही, बिहार में नई रेल लाइनों और ओवर ब्रिज का उद्घाटन किया गया।
  - इससे राज्य के विभिन्न हिस्सों में बेहतर यातायात सुविधा मिलेगी और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।
- **बिजली परियोजनाएँ:**
  - बिहार में बिजली के बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करने के लिये 1,170 करोड़ रुपए की परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई। इसके अलावा, पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना के तहत 5,030 करोड़ रुपए से अधिक की कई परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया गया।
  - इससे बिहार के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति में सुधार होगा और विकास को नई दिशा मिलेगी।
- **प्रधानमंत्री आवास योजना:**
  - इस **योजना** तहत एक लाख से अधिक लाभार्थियों ने गृह प्रवेश किया और 54,000 से अधिक लाभार्थियों को चाबियाँ सौंपी गईं।
- **स्वयं सहायता समूहों के लिये सहायता:**
  - दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM) **के अंतर्गत** बिहार के दो लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों को सामुदायिक निवेश कोष के तहत लगभग 930 करोड़ रुपए की सहायता राशि वितरित की गई।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G):

- **शुभारंभ: सभी के लिये आवास"** के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिये, पूर्ववर्ती ग्रामीण आवास योजना **इंदिरा आवास योजना (IAY)** को 1 अप्रैल 2016 से **केंद्र प्रायोजित योजना** के रूप में **प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G)** में पुनर्गठित किया गया।
- **संबंधित मंत्रालय:** ग्रामीण विकास मंत्रालय।
- **उद्देश्य: गरीबी रेखा से नीचे (BPL)** जीवन यापन करने वाले ग्रामीण लोगों को आवास इकाइयों के निर्माण तथा मौजूदा अनुपयोगी कच्चे मकानों के उन्नयन में पूर्ण अनुदान के रूप में सहायता प्रदान करना।
- **लाभार्थी: अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, मुक्त बंधुआ मज़दूर और गैर-अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग** के लोग, **युद्ध में मारे गए रक्षा कर्मियों की विधवाएँ या उनके निकट संबंधी,** पूर्व सैनिक और अर्द्धसैनिक बलों के सेवानिवृत्त सदस्य, विकलांग व्यक्ति और अल्पसंख्यक।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **लाभार्थियों का चयन:** **सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना 2011**, **ग्राम सभा** और **जियो-टैगिंग** जैसे तीन-चरणीय सत्यापन के माध्यम से।
- **लागत साझाकरण:** मैदानी क्षेत्रों के मामले में **केंद्र और राज्य 60:40 के अनुपात में लागत साझा** करते हैं तथा **पूर्वोत्तर राज्यों**, दो **हिमालयी राज्यों** और **जम्मू-कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र के मामले में 90:10 के अनुपात में लागत साझा** करते हैं।
  - केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख सहित **अन्य केंद्रशासित प्रदेशों के मामले में केंद्र 100% लागत वहन** करता है।

प्रधानमंत्री आवास योजना - शहरी (PMAY-U):

- **शुभारंभ:** 25 जून 2015 को प्रारंभ की गई इस योजना का उद्देश्य वर्ष 2022 तक शहरी क्षेत्रों में सभी के लिये आवास उपलब्ध कराना था।
- **संबंधित मंत्रालय: आवास एवं शहरी मामलों का मंत्रालय**
- **स्थिति:** कुल 118.64 लाख मकान स्वीकृत किये गए हैं तथा 88.02 लाख से अधिक मकान बनकर तैयार हो चुके हैं/लाभार्थियों को वितरित किये जा चुके हैं।
- **विशेषताएँ:**
  - पात्र शहरी गरीबों के लिये पक्का मकान सुनिश्चित करके **झुग्गीवासियों** सहित शहरी गरीबों के बीच शहरी आवास की कमी को दूर करना।
  - मिशन में संपूर्ण शहरी क्षेत्र शामिल है, जिसमें **सांविधिक शहर, अधिसूचित योजना क्षेत्र, विकास प्राधिकरण, विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण**, औद्योगिक विकास प्राधिकरण या राज्य विधान के तहत शहरी नियोजन और विनियमन के कार्य सौंपे गए प्राधिकरण शामिल हैं।
  - मिशन महिला सदस्यों के नाम पर या संयुक्त नाम पर मकान का स्वामित्व प्रदान करके महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देता है।

दूषित मध्याह्न भोजन

चर्चा में क्यों?

बिहार के पटना ज़िले के एक स्कूल में मध्याह्न भोजन योजना के अंतर्गत दूषित भोजन खाने से 100 से अधिक छात्रों के बीमार पड़ने की घटना पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) ने स्वत: संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है।

मुख्य बिंदु

- **मध्याह्न भोजन योजना के बारे में:**
  - मिड डे मिल स्कीम अर्थात् **मध्याह्न भोजन योजना (MDMS)** विश्व में अपनी तरह का सबसे बड़ा स्कूल पोषण कार्यक्रम है, जो **कक्षा 1 से 8 तक** के **सरकारी स्कूलों** में **नामांकित छात्रों को कवर करता है।**
  - इस योजना का मूल **उद्देश्य** स्कूलों में **नामांकन बढ़ाना है।**
  - **नोडल मंत्रालय:** शिक्षा मंत्रालय
  - **पृष्ठभूमि:** यह कार्यक्रम पहली बार वर्ष **1925 में मद्रास नगर निगम** में वंचित बच्चों के लिये शुरू किया गया था।
  - केंद्र सरकार ने वर्ष **1995 में कक्षा 1 से 5 तक** के बच्चों के लिये पायलट आधार पर एक **केंद्र प्रायोजित योजना** शुरू की थी और अक्तूबर 2007 तक **MDMS को कक्षा 8** तक बढ़ा दिया गया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

बिहार में नीरा उत्पादन

चर्चा में क्यों ?

30 अप्रैल 2025 को शुरू की गई 'मुख्यमंत्री नीरा संवर्द्धन योजना' के तहत, बिहार सरकार का उद्देश्य **ताड़ के वृक्षों के मालिकों** और **ताड़ी निकालने वाले श्रमिकों** को **रोज़गार के अवसर** और **वित्तीय सहायता** प्रदान करना है, जो कि नीरा अर्थात अकिण्वित ताड़ के रस से पेय पदार्थ निकालते हैं।

मुख्य बिंदु

- **योजना का कार्यान्वयन:**
  - यह योजना **ताड़ी सीजन (अप्रैल से जुलाई 2025) तक चलती है** और इसे **निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग और जीविका (बिहार ग्रामीण आजीविका संवर्द्धन सोसाइटी) द्वारा संयुक्त रूप से क्रियान्वित किया जाता है।**
  - बिहार सरकार **प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) के माध्यम से 20,000 ताड़ी निकालने वालों को 8 रुपए प्रति लीटर नीरा उपलब्ध कराएगी।**
  - इस योजना का लक्ष्य बिहार में चिह्नित 2 लाख ताड़ के वृक्षों से उत्पादन करना है।
- **ताड़ वृक्ष मालिकों के लिये सहायता:**
  - ताड़ वृक्ष मालिकों को 10 वृक्षों तक प्रति लीटर नीरा पर 3 रुपए की प्रोत्साहन राशि मिलेगी।
  - इसका मतलब है कि प्रति वृक्ष 585 रुपए और 10 वृक्षों के लिये अधिकतम 5,850 रुपए।
  - **जीविका द्वारा DBT** के माध्यम से प्रोत्साहन राशि का भुगतान सीधे उनके बैंक खातों में किया जाएगा।
- **नीरा के स्वास्थ्य लाभ:**
  - नीरा **कैल्शियम, आयरन, पोटेशियम, सोडियम और फास्फोरस जैसे खनिजों से भरपूर है।**
  - यह एक प्राकृतिक **प्रोबायोटिक है**, जो प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने में मदद करता है और **हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाता है।**

बुद्ध पूर्णिमा

चर्चा में क्यों ?

बिहार के मुख्यमंत्री ने **भगवान बुद्ध** की शिक्षाओं के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए **बुद्ध पूर्णिमा** के अवसर पर शुभकामनाएँ दीं।

मुख्य बिंदु

- **गौतम बुद्ध के बारे में:**
  - बौद्ध धर्म के संस्थापक **गौतम बुद्ध का जन्म सिद्धार्थ गौतम के रूप में लगभग 563 ईसा पूर्व लुंबिनी में हुआ** था और वे **शाक्य वंश** के थे।
  - गौतम ने बिहार के बोधगया में एक पीपल के पेड़ के नीचे **बोधि (ज्ञानोदय) प्राप्त** किया था।
  - बुद्ध ने अपना पहला उपदेश **उत्तर प्रदेश में वाराणसी के पास सारनाथ** में दिया था। इस घटना को **धर्म चक्र प्रवर्तन (कानून के पहिये का घूमना) के रूप में जाना** जाता है।
  - उत्तर प्रदेश के **कुशीनगर में 80 वर्ष की आयु में 483 ईसा पूर्व में उनका निधन** हो गया। इस घटना को महापरिनिर्वाण के नाम से जाना जाता है।
  - उन्हें **भगवान विष्णु के दस अवतारों में से आठवाँ अवतार** माना जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

बौद्ध धर्म

दृष्टि The Vision
Drishti IAS

उत्पत्ति

- छठी शताब्दी ईसा पूर्व, गौतम बुद्ध की शिक्षाओं पर आधारित

मुख्य विशेषताएँ

- सार - आत्मज्ञान की प्राप्ति (निर्वाण)
- सर्वोच्च देवता - कोई नहीं

सिद्धांत

- अति से बचें; मध्यम मार्ग (मध्य मार्ग) का पालन करें
- व्यक्तिवादी घटक (हर कोई अपनी खुशी के लिये स्वयं ज़िम्मेदार है)
- चार महान सत्य:
  - दुख (दु:ख)- संसार दुखों से भरा हुआ है
  - समुदय- प्रत्येक दुख का एक कारण है
  - निरोध- दुखों का निवारण किया जा सकता है
  - यह अथांग मग्गा (आष्टांगिक मार्ग) का पालन करके प्राप्त किया जा सकता है।
- आष्टांगिक मार्ग:
  - सम्यक दृष्टि, सम्यक संकल्प, सम्यक वाक, सम्यक कर्मांत, सम्यक आजीव, सम्यक व्यायाम, सम्यक स्मृति, सम्यक समाधि

बौद्ध धर्म अस्वीकार करता है

- वेदों की प्रामाणिकता
- आत्मा की अवधारणा (जैन धर्म के विपरीत)

प्रमुख बौद्ध ग्रंथ

- सुत्त पिटक (बुद्ध की प्रमुख शिक्षाएँ - धम्म)
- विनयपिटक (भिक्षुओं/ननियों के लिये आचरण के नियम)
- अभिधम्म पिटक (दार्शनिक विश्लेषण)
- अन्य महत्वपूर्ण ग्रंथ- दिव्यवदान, दीपवंश, महावंश, मिलिंद पन्हो

पहली बौद्ध संगीति में बुद्ध की शिक्षाओं को 3 पिटकों में विभाजित किया गया था

इन शिक्षाओं को 25वीं शताब्दी ई.पू में पाली भाषा में लिखा गया था।

बौद्ध परिषद

बौद्ध परिषद	संरक्षक	स्थान	अध्यक्ष	वर्ष
पहली	अजातशत्रु	राजगृह	महाकस्यप	483 ई.पू.
दूसरी	कालाशोक	वैशाली	सुबुकामि	383 ई.पू.
तीसरी	अशोक	पाटलिपुत्र	मोगालिपुत्र	250 ई.पू.
चौथी	कनिष्क	कुण्डलवन (कश्मीर)	वसुमित्र	72 ई.

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

नोट :

प्रधानमंत्री एफएमई योजना में बिहार प्रथम

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन (PMFME) योजना में बिहार ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

मुख्य बिंदु

- **योजना के बारे में:**
  - PMFME योजना का उद्देश्य खाद्य प्रसंस्करण उद्योग **के असंगठित क्षेत्र में मौजूदा निजी सूक्ष्म उद्यमों की प्रतिस्पर्द्धात्मकता को बढ़ाना** और **क्षेत्र की औपचारिकता को बढ़ावा** देना है।
  - PMFME योजना 10,000 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ **वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक पाँच वर्ष की अवधि** के लिये लागू है।
- **केंद्रित क्षेत्र:**
  - यह योजना इनपुट की खरीद, सामान्य सेवाओं और उत्पादों के विपणन के संबंध में पैमाने का लाभ उठाने के लिये **एक ज़िला एक उत्पाद (One District One Product- ODOP)** दृष्टिकोण अपनाती है।
  - अन्य फोकस क्षेत्रों में **वेस्ट टू वेल्थ उत्पाद, लघु वन उत्पाद** और **आकांक्षी ज़िले** शामिल हैं।
- **PMFME योजना के तहत उपलब्ध सहायता:**
  - **व्यक्तिगत/समूह श्रेणी सूक्ष्म उद्यमों को सहायता:**
    - **पात्र परियोजना लागत का 35%** क्रेडिट-लिंक्ड पूंजी सब्सिडी के रूप में दिया जाएगा, जिसमें अधिकतम सीमा 10 लाख रुपए प्रति यूनिट है।
  - **सीड कैपिटल के लिये स्वयं सहायता समूहों (SHG) को सहायता:**
    - कार्यशील पूंजी और छोटे उपकरणों की खरीद के लिये खाद्य प्रसंस्करण में लगे SHG के **प्रति सदस्य को 40,000 रुपए** तक की सीड कैपिटल के साथ अधिकतम 4 लाख रुपए प्रति SHG की सहायता।
  - **सामान्य अवसंरचना के लिये समर्थन:**
    - FPO, SHG, **सहकारी समितियों एवं सामान्य बुनियादी ढाँचे की स्थापना के लिये** किसी भी सरकारी एजेंसी का समर्थन करने हेतु अधिकतम 3 करोड़ रुपए के साथ **35% की क्रेडिट-लिंक्ड कैपिटल सब्सिडी।**
  - **क्षमता निर्माण:**
    - इस योजना में **उद्यमिता विकास कौशल** (Entrepreneurship Development Skilling) (EDP+) के लिये प्रशिक्षण की परिकल्पना की गई है, जो खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं उत्पाद विशिष्ट कौशल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये संशोधित कार्यक्रम है।
  - FSSAI एवं अन्य वैधानिक आवश्यकताओं के अनुपालन हेतु सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को सहायता प्रदान करने के लिये **ज़िला संसाधन व्यक्तियों (District Resource Persons-DRPs)** को नियुक्त किया गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

बिहार में खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का समापन

चर्चा में क्यों ?

4 से 15 मई 2025 तक सरकार की खेलो इंडिया पहल के तहत, **खेलो इंडिया यूथ गेम्स** 2025 का 7वाँ संस्करण बिहार में आयोजित किया गया।

मुख्य बिंदु

- **खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के बारे में:**
  - **खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025** का आयोजन **बिहार** के पाँच ज़िलों (**पटना**, **राजगीर**, **बेगूसराय, गया और भागलपुर**) में किया गया।
  - जबकि तीन प्रमुख स्पर्द्धाएँ- **जिमनास्टिक**, **शूटिंग और साइकिलिंग**, **नई दिल्ली** में आयोजित की गईं थी।
  - **गजसिम्हा** इस बार के खेलों का शुभंकर था।
  - 12 दिवसीय यह आयोजन 27 खेलों में संपन्न हुआ, जिसमें कुल **285 स्वर्ण पदक** प्रदान किये गये।
- **शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्य:**
  - महाराष्ट्र ने कुल **158 पदक** (58 स्वर्ण, 47 रजत, 53 कांस्य) जीतकर पदक तालिका में पहला स्थान प्राप्त किया।
    - यह राज्य अब तक **5 बार (2019, 2020, 2023, 2024, 2025)** कुल पदकों में अग्रणी रहा है।
  - **हरियाणा** 117 पदकों (39 स्वर्ण) के साथ दूसरे और **राजस्थान** 60 पदकों (24 स्वर्ण) के साथ तीसरे स्थान पर रहा।
  - **बिहार का प्रदर्शन:**
    - मेज़बान बिहार ने कुल **36 पदक** (7 स्वर्ण, 11 रजत, 18 कांस्य) जीते। खेलों के छठे संस्करण में 21वें स्थान पर रहने वाले बिहार ने इस वर्ष **6 स्थानों की छलांग** लगाते हुए **15वाँ स्थान** प्राप्त किया।
    - यह पहली बार है जब बिहार ने इतने अधिक पदक जीते।
- **शीर्ष 10 राज्य / केंद्र शासित प्रदेश:**

स्थान	राज्य / केन्द्र शासित प्रदेश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल पदक
1	महाराष्ट्र	58	47	53	158
2	हरियाणा	39	27	51	117
3	राजस्थान	24	12	24	60
4	कर्नाटक	17	26	15	58
5	दिल्ली	16	20	32	68
6	तमिलनाडु	15	21	29	65
7	उत्तर प्रदेश	14	20	18	52

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

8	केरल	12	5	8	25
9	मणिपुर	11	8	11	30
10	मध्य प्रदेश	10	9	13	32

खेलो इंडिया यूथ गेम्स (KIYG)

- KIYG भारत में स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिये एक राष्ट्रीय स्तर की बहु-विषयक खेल प्रतियोगिता है।
- **प्रधानमंत्री** ने वर्ष 2018 में नई दिल्ली के इंदिरा गांधी एरिना में खेलो इंडिया स्कूल गेम्स के पहले संस्करण की शुरुआत की।

- वर्ष 2019 में इनका नाम बदलकर खेलो इंडिया यूथ गेम्स कर दिया गयाI
- ये भारत सरकार की **खेलो इंडिया पहल** का हिस्सा हैं।
- इसका उद्देश्य खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और ज़मीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं को पहचान दिलाना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- ये गेम्स दो श्रेणियों में आयोजित किये जाते हैं:
  - 17 वर्ष से कम उम्र के स्कूली छात्र
  - 21 वर्ष से कम उम्र के कॉलेज के छात्र।
- **खेलो इंडिया ऐप**
  - वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री ने खेल और फिटनेस को बढ़ावा देने के लिये खेलो इंडिया ऐप लॉन्च किया था।
  - यह ऐप लोगों को खेल आयोजनों के बारे में अपडेट रहने में मदद करता है और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देता है।

बिहार सरकार ने गया का नाम परिवर्तित कर गया जी किया

चर्चा में क्यों?

बिहार सरकार ने **ऐतिहासिक शहर गया का नाम आधिकारिक तौर पर परिवर्तित कर 'गया जी' कर दिया है**।

- नाम **परिवर्तित करने** का उद्देश्य गया में धार्मिक पर्यटन **को** बढ़ावा देना, अधिक तीर्थयात्रियों और आगंतुकों को आकर्षित करना, **स्थानीय अर्थव्यवस्था को मज़बूत करना तथा आजीविका के अवसर सृजित करना है।**

मुख्य बिंदु

गया जी के बारे में

- **ऐतिहासिक संदर्भ:**
  - गया प्राचीन मगध साम्राज्य **का हिस्सा था,** जो भारतीय इतिहास में महत्त्वपूर्ण राज्य था।
  - **यह शहर** फल्गु नदी के तट पर स्थित है, जो इसके आध्यात्मिक और भौगोलिक महत्त्व को बढ़ाता है।
- **धार्मिक महत्त्व:**
  - गया एक प्रमुख हिंदू तीर्थ स्थल है, जो विशेष रूप से पितृपक्ष त्योहार के लिये जाना जाता है, जहाँ लाखों लोग अपने पूर्वजों के सम्मान में **पिंडदान करते हैं।**
  - पौराणिक मान्यता के अनुसार **त्रेता युग में** गयासुर नामक राक्षस ने यहाँ तपस्या की थी और भगवान विष्णु से वरदान प्राप्त कर पुण्यात्मा बन गया था। तब **से इस स्थान का नाम गया पड़ा।**
  - बोधगया, गया ज़िले में स्थित है, जहाँ गौतम बुद्ध को बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ था।
  - यह विश्व में सबसे महत्त्वपूर्ण बौद्ध तीर्थस्थलों में से एक है।
  - **यह शहर मंगला-गौरी, शृंग-स्थान, राम-शिला** और ब्रह्मयोनि जैसी पवित्र पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

फल्गु नदी

- फल्गु **नदी** गया के पूर्व दिशा में बहती है और केवल मानसून के मौसम में ही इसमें पानी रहता है।
- वर्ष के बाकी समय में इसकी नदी का तल सूखा दिखाई देता है, लेकिन गाद (mud) के नीचे पानी पाया जा सकता है।

पितृपक्ष महोत्सव (पितृ पक्ष)

- पितृपक्ष, जिसे पितृ पक्ष या श्राद्ध भी कहा जाता है, आश्विन (सितंबर-अक्तूबर) के चंद्र माह के दौरान मनाया जाने वाला 16 दिवसीय हिंदू त्योहार है।
  - यह **पूर्णिमा के दिन शुरू होता है** और अमावस्या के दिन समाप्त होता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

अंतर्राष्ट्रीय क्रेता-विक्रेता बैठक 2025

चर्चा में क्यों ?

बिहार सरकार ने पटना में अंतर्राष्ट्रीय क्रेता-विक्रेता बैठक (IBSM) 2025 में अपनी कृषि-खाद्य क्षमता पर प्रकाश डाला। यह कार्यक्रम राज्य सरकार, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, **कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA)** और **भारतीय व्यापार संवर्द्धन परिषद (TPCI)** द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।

मुख्य बिंदु

- **बैठक का महत्त्व:**
  - अंतर्राष्ट्रीय क्रेता-विक्रेता **बैठक** 2025 **भारत के कृषि-निर्यात** में **राज्य की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिये एक महत्त्वपूर्ण मंच है,** जिसमें साझेदारी को बढ़ावा देने, निवेश आकर्षित करने और आर्थिक विकास को गति देने के लिये **बिजनेस-टू-बिजनेस बैठकें,** तकनीकी सत्र और प्रदर्शनियाँ शामिल हैं।
    - **इस बैठक में संयुक्त अरब अमीरात, जापान और जर्मनी** सहित वैश्विक कंपनियों ने रुचि दिखाई तथा बिहार के चावल, मसालों, मखाना और फलों की बड़े पैमाने पर खरीद की मांग की।
  - इस **आयोजन का उद्देश्य नए बाज़ार संबंध बनाना, स्थानीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSME)** और **किसान उत्पादक संगठनों (FPO)** के लिये खरीद बढ़ाना और **बिहार की कृषि क्षमता को निर्यात वृद्धि में बदलना है।**
  - इस आयोजन को ग्रामीण आर्थिक विकास के लिये एक मील का पत्थर माना जाता है और यह सरकार के **'विकसित भारत @2047' के दृष्टिकोण की पुष्टि करता है।**
- **PMFME योजना और भविष्य की संभावनाएँ:**
  - **वित्त वर्ष 2024-25 में, पीएम सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण योजना (PMFME)** के तहत 624.42 करोड़ रुपए के 10,270 ऋण स्वीकृत किये गए- जो भारतीय राज्यों में सबसे अधिक है।
  - बिहार में स्थापित होने वाला **NIFTEM (राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान) संस्थान**, खाद्य प्रौद्योगिकी में नवाचार का भावी केंद्र होगा।
- **मखाना निर्यात पर ध्यान:**
  - **इस कार्यक्रम में "भारत के मखाना निर्यात को बढ़ावा देने की रणनीतियाँ"** शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की गई, जिसमें बिहार के अपने अद्वितीय **जीआई-टैग उत्पाद में नेतृत्व को रेखांकित किया गया।**
    - वर्ष 2024 तक बिहार में 15 उत्पादों को GI टैग प्राप्त हुआ। इनमें **शाही लीची, भागलपुरी जरदालू आम**, कतरनी चावल, मगही पान, **मखाना (फॉक्स नट), मधुबनी पेंटिंग**, सिक्की घास उत्पाद और सुजिनी कढ़ाई आदि शामिल हैं।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण योजना (PMFME)

- **परिचय:**
  - खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (MoFPI) ने **आत्मनिर्भर भारत अभियान** के तहत PMFME **योजना शुरू की है।**
  - इस योजना का उद्देश्य **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के असंगठित क्षेत्र में मौजूदा निजी सूक्ष्म उद्यमों की प्रतिस्पर्द्धात्मकता को बढ़ाना** और **क्षेत्र की औपचारिकता को बढ़ावा** देना है।
  - यह योजना 10,000 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ **वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक पाँच वर्ष की अवधि** के लिये लागू है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **केंद्रित क्षेत्र:**
  - यह योजना कच्चे माल की खरीद, सामान्य सेवाओं और उत्पादों के विपणन के संबंध में व्यापकता का लाभ उठाने के लिये **एक ज़िला एक उत्पाद (One District One Product- ODOP)** दृष्टिकोण अपनाती है।
  - अन्य फोकस क्षेत्रों में **वेस्ट टू वेल्थ उत्पाद, लघु वन उत्पाद** और **आकांक्षी ज़िले** शामिल हैं।

मखाना

- मिथिला मखाना या माखन (वानस्पतिक नाम: यूरीले फेरोक्स सालिस्ब.) बिहार और नेपाल **के मिथिला क्षेत्र में उगाई जाने वाली जलीय मखाना की एक विशेष किस्म है।**
  - मखाना, पान और मछली के साथ **मिथिला की तीन प्रतिष्ठित सांस्कृतिक पहचानों में से एक है।**
  - **मिथिला मखाना को वर्ष 2022 में भौगोलिक संकेत (GI) टैग** प्राप्त हुआ,जिसमें बिहार भारत के कुल मखाना उत्पादन में 80% का योगदान देता है।
- मखाना में **प्रोटीन और फाइबर के** साथ-साथ **कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन और फास्फोरस जैसे सूक्ष्म पोषक तत्त्व भी होते हैं।**
- **मई 2023** में, केंद्र सरकार ने मखाना अनुसंधान केंद्र, दरभंगा को **"राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केंद्र, दरभंगा"** में अपग्रेड किया और मछली जैसी अन्य जलीय फसलों को शामिल करने के लिये इसके कार्य-क्षेत्र का विस्तार किया।
- **केंद्रीय बजट 2025-26** में घोषित, **बिहार में** प्रस्तावित **मखाना बोर्ड क**ा उद्देश्य खेती के तरीकों को सुव्यवस्थित करना, तकनीकी सहायता प्रदान करना, मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करना, विपणन बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करना एवं निर्यात क्षमता को बढ़ावा देना है।

iGOT कर्मयोगी प्लेटफॉर्म

चर्चा में क्यों?

भारत सरकार की **मिशन कर्मयोगी पहल** के अंतर्गत **iGOT कर्मयोगी प्लेटफॉर्म** ने **1 करोड़ से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्त्ताओं** की उपलब्धि प्राप्त की है, जो भारतीय सिविल सेवाओं की **क्षमता-विकास** की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण प्रगति है।

- **बिहार** उन शीर्ष पाँच राज्यों में शामिल है जिन्होंने इस प्लेटफॉर्म पर सर्वाधिक योगदान दिया है; अन्य राज्य हैं – **आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान** एवं **उत्तर प्रदेश**।

मुख्य बिंदु

- **मिशन कर्मयोगी:** इसका उद्देश्य एक पेशेवर, अच्छी तरह से प्रशिक्षित और भविष्य के लिये तैयार सिविल सेवा का विकास करना है, जो भारत के विकासात्मक लक्ष्यों और राष्ट्रीय कार्यक्रमों का समर्थन करती है।
  - यह मिशन नियम-आधारित से भूमिका-आधारित प्रशिक्षण की ओर बदलाव पर ज़ोर देता है, तथा योग्यता-संचालित दृष्टिकोण को अपनाता है जो दृष्टिकोण, कौशल और ज्ञान (ASK) में संतुलन स्थापित करता है।
  - यह 70-20-10 शिक्षण मॉडल का अनुसरण करता है - **70% अनुभवात्मक शिक्षण, 20% साथियों के माध्यम से शिक्षण, और 10% औपचारिक प्रशिक्षण**, जबकि शिक्षण परिणामों को करियर की प्रगति के साथ जोड़ता है और वस्तुनिष्ठ प्रदर्शन मूल्यांकन सुनिश्चित करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **iGOT कर्मयोगी डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म:** यह **डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना** है, जो सार्वजनिक क्षेत्र में निरंतर सीखने के लिये एक टिकाऊ, स्केलेबल और सुरक्षित डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करती है।
  - यह भारत के राष्ट्रीय सिविल सेवा क्षमता निर्माण कार्यक्रम (मिशन कर्मयोगी) का एक प्रमुख घटक है।
  - **कर्मयोगी भारत** द्वारा प्रबंधित यह प्लेटफॉर्म 16 भाषाओं में 2,400 से अधिक पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है।
  - सभी पाठ्यक्रम स्वदेशी कर्मयोगी योग्यता मॉडल के अनुरूप तैयार किये गए हैं, जो भारतीय ज्ञान और मिशन कर्मयोगी के सिद्धांतों पर आधारित है।

सिविल सेवकों के प्रशिक्षण के लिये संबंधित पहल

- **सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थानों के लिये राष्ट्रीय मानक (NSCSTI): इसे** क्षमता निर्माण आयोग (CBC) द्वारा विकसित किया गया है, जिसका उद्देश्य केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थानों के लिये उनकी वर्तमान क्षमता के आधार पर रूपरेखा तैयार करना, प्रशिक्षण वितरण की क्षमता को बढ़ाना और सिविल सेवकों के प्रशिक्षण के मानकों में सामंजस्य स्थापित करना है।
  - CBC कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (DoPT) के अधीन कार्य करता है।
- **आरंभ AARAMBH):** अखिल भारतीय सेवा, ग्रुप-ए केंद्रीय सेवा और विदेश सेवा के सभी परिवीक्षार्थियों को एक सामान्य फाउंडेशन कोर्स (CFC) के लिये एक साथ लाने की पहल, इसका उद्देश्य सिविल सेवकों को परिवर्तन का नेतृत्व करने और विभागों और क्षेत्रों में निर्बाध रूप से काम करने में सक्षम बनाना है।

नालंदा विश्वविद्यालय

चर्चा में क्यों?

अर्थशास्त्री **सचिन चतुर्वेदी** को **21 मई 2025** को **बिहार स्थित** नालंदा विश्वविद्यालय का **कुलपति नियुक्त किया गया**।

मुख्य बिंदु

नालंदा विश्वविद्यालय के बारे में:

- **स्थापना और प्रारंभिक उत्कर्ष:**
  - नालंदा विश्वविद्यालय की **स्थापना 427 ई. में** गुप्त सम्राट कुमारगुप्त ने वर्तमान बिहार में की थी।
  - यह 12वीं शताब्दी तक लगभग **800 वर्षों तक** समृद्ध होता रहा।
  - यह विश्वविद्यालय सम्राट हर्षवर्द्धन तथा पाल वंश के शासनकाल में **अपनी प्रतिष्ठा और वैभव के चरम पर** पहुँचा।
- **आगंतुक और विद्वान:**
  - **7वीं शताब्दी के चीनी बौद्ध भिक्षु** ह्वेन त्सांग **ने** नालंदा में लगभग पाँच वर्षों तक अध्ययन किया और कई धर्मग्रंथों को चीन ले गए।
  - एक अन्य चीनी तीर्थयात्री **ई-त्सिंग** ने **670 ईस्वी** में नालंदा का भ्रमण किया और लगभग **2,000 छात्रों** की उपस्थिति तथा **200 गाँवों से प्राप्त वित्तीय सहायता** का उल्लेख किया।
  - **नालंदा** ने **चीन, मंगोलिया, तिब्बत** और **कोरिया** सहित पूरे **एशिया** से छात्रों को आकर्षित किया।
  - नागार्जुन, आर्यभट्ट और **धर्मकीर्ति** जैसे विद्वानों ने यहाँ **महत्त्वपूर्ण बौद्धिक योगदान** दिये।
  - यह क्षेत्र **आध्यात्मिक रूप से भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण** है, क्योंकि भगवान बुद्ध और महावीर ने इसी क्षेत्र में **ध्यान** लगाया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **आक्रमण और पतन:**
  - **नालंदा विश्वविद्यालय** को अपने इतिहास में कई बार विनाश का सामना करना पड़ा। **5वीं शताब्दी** में **हूणों** और **7वीं शताब्दी** में **गौड़ों** द्वारा किये गये आक्रमणों से यह आंशिक रूप से नष्ट हुआ, लेकिन दोनों बार इसके **पुनर्निर्माण** के प्रयास भी किये गए।
  - हालाँकि, इसका **अंतिम और सबसे विनाशकारी आक्रमण 1193 ईस्वी** में **बख़्तियार खिलजी** द्वारा किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय को पूरी तरह **नष्ट** कर दिया गया।
  - बाद में **19वीं शताब्दी** में ब्रिटिश सर्वेक्षकों **फ्राँसिस बुकानन-हैमिल्टन** और **सर अलेक्ज़ेंडर कनिंघम** ने इसके **अवशेषों को पुनः खोजा**।
- **पुनरुद्धार प्रयास:**
  - नालंदा को पुनर्जीवित करने का विचार **2000 के दशक के प्रारंभ में पूर्व** राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, सिंगापुर सरकार और पूर्वी एशियाई शिखर सम्मेलन के नेताओं के समर्थन से **गति प्राप्त की**।
  - इस पुनरुद्धार की परिकल्पना एक **क्षेत्रीय ज्ञान केंद्र के रूप में की गई है,** जिसमें भारत और पूर्वी एशियाई देशों के बीच सहयोग पर ज़ोर दिया गया।
- **कानूनी और संस्थागत ढाँचा:**
  - **नालंदा विश्वविद्यालय अधिनियम** भारत की संसद द्वारा वर्ष **2010** में पारित किया गया, जिसने इस नवस्थापित संस्था को **कानूनी आधार** प्रदान किया।
  - बिहार सरकार ने विश्वविद्यालय परिसर के लिये प्राचीन खंडहरों के पास 455 एकड़ भूमि आवंटित की।
- **परिसर की रूपरेखा और विशेषताएँ:**
  - परिसर का डिज़ाइन **प्रसिद्ध वास्तुकार बी.वी. दोशी** द्वारा तैयार किया गया, जिसमें **पर्यावरणीय संतुलन** और **आधुनिक सुविधाओं** का सुंदर समन्वय किया गया है।यह परिसर एक 'नेट ज़ीरो' हरित परिसर (Green Campus) है, जिसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं:
    - सौर ऊर्जा संयंत्र
    - जल शोधन एवं पुनर्चक्रण प्रणाली
    - लगभग 100 एकड़ में फैले जल निकाय
- **शैक्षणिक कार्यक्रम:**
  - नालंदा विश्वविद्यालय अब बौद्ध अध्ययन, ऐतिहासिक अध्ययन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण अध्ययन तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध जैसे क्षेत्रों में **स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रदान करता है।**
- **मान्यता:**
  - **प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के खंडहरों को वर्ष 2016 में** यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल **घोषित किया गया, जो इसके** वैश्विक सांस्कृतिक महत्त्व को दर्शाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

बिहार से पद्म पुरस्कार 2025 के विजेता

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में **139 विशिष्ट व्यक्तियों को** पद्म पुरस्कार 2025 प्रदान किये। इनमें **बिहार की सात हस्तियों को** पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मुख्य बिंदु

बिहार के पद्म पुरस्कार विजेता

नाम	पुरस्कार	क्षेत्र	विवरण
डॉ. शारदा सिन्हा	पद्म विभूषण (मरणोपरांत)	कला	• उन्हें **"बिहार कोकिला" के नाम से भी जाना जाता था।** • उन्होंने अपने छठ गीतों के लिये राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की, जो **छठ त्योहार के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहलुओं से गहराई से जुड़े थे।**
सुशील कुमार मोदी	पद्म भूषण (मरणोपरांत)	सार्वजनिक मामलों	• वह **बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री थे** और उन्हें सार्वजनिक मामलों में उनकी विशिष्ट सेवा के लिये मरणोपरांत यह पुरस्कार प्रदान किया गया था।
किशोर कुणाल	पद्म श्री (मरणोपरांत)	सिविल सेवा	• किशोर कुणाल एक पूर्व आईपीएस अधिकारी थे और महावीर मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष रह चुके थे। • उन्हें **धार्मिक और धर्मार्थ सेवा में उनके योगदान के लिये सम्मानित किया गया।**
भीम सिंह भावेश	पद्म श्री	सामाजिक कार्य	• वह एक पत्रकार हैं, जिन्होंने बिहार के हाशिये पर पड़े **मुसहर समुदाय के** बच्चों को औपचारिक शिक्षा तक पहुँच बनाने में मदद करने के लिये **व्यापक स्तर पर कार्य** किया है।
हेमंत कुमार	पद्म श्री	चिकित्सा	• • उन्होंने **किडनी रोगों के उपचार और निवारक शिक्षा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है,** जिससे जागरूकता बढ़ाने और रोगियों के परिणामों में सुधार लाने में मदद मिली है।
निर्मला देवी	पद्म श्री	कला	• **वह एक कलाकार हैं और उन्हें लोक तथा पारंपरिक कला (सुजनी कढ़ाई)** के क्षेत्र में उनके काम के लिये पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। • सुजनी बिहार की एक पारंपरिक लोक वस्त्र कला है, जो टांकों के माध्यम से कहानी कहने के लिये जानी जाती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

नोट :

विजय नित्यानंद सूरीश्वर जी महाराज	पद्म श्री	अन्य– अध्यात्मवाद	● बिहार में **आध्यात्मिक शिक्षा और अभ्यास** में उनके योगदान के लिये उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

पद्म पुरस्कार

- पद्म **पुरस्कार भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों** में से एक हैं, जिनकी स्थापना वर्ष **1954** में की गई थी।
- इन्हें प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस **की पूर्व संध्या पर घोषित किया जाता है** और भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाता है।
- ये पुरस्कार **तीन श्रेणियों में दिये जाते हैं:**
  - **पद्म विभूषण** (असाधारण एवं विशिष्ट सेवा के लिये)
  - **पद्म भूषण** (उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिये)
  - **पद्मश्री** (किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिये)
- **पात्रता:**
  - सभी व्यक्ति, चाहे उनकी **जाति, व्यवसाय या लिंग कुछ भी हो,** पात्र हैं।
  - **सरकारी कर्मचारी** (डॉक्टरों और वैज्ञानिकों को छोड़कर) **पात्र नहीं हैं।**
- **क्षेत्र:**
  - **कला** (संगीत, सिनेमा, चित्रकला, आदि)
  - **सामाजिक कार्य** और **सार्वजनिक मामले**
  - **विज्ञान एवं इंजीनियरिंग, चिकित्सा, साहित्य एवं शिक्षा**
  - **सिविल सेवा, व्यापार और उद्योग, खेल**
  - अन्य श्रेणियाँ जैसे मानव अधिकार, पर्यावरण संरक्षण और **भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देना।**
- **चयन एवं नामांकन:**
  - पद्म पुरस्कारों के लिये **नामांकन सार्वजनिक रूप से खोले जाते हैं** और **स्व-नामांकन (Self-nomination)** भी मान्य है।
  - **प्रधानमंत्री द्वारा प्रतिवर्ष गठित की जाने वाली पद्म पुरस्कार समिति** सभी नामांकनों का मूल्यांकन करती है।
  - इस समिति की अध्यक्षता कैबिनेट सचिव करते हैं तथा इसमें **गृह सचिव, राष्ट्रपति सचिवालय के सचिव**, और **4 से 6 प्रतिष्ठित व्यक्ति** शामिल होते हैं।
- **पुरस्कार प्रस्तुति एवं नियम:**
  - पुरस्कार आमतौर पर प्रत्येक वर्ष **मार्च/अप्रैल में प्रदान किये जाते हैं।**
  - प्रत्येक प्राप्तकर्त्ता को एक **प्रमाण-पत्र (सनद)** और एक **पदक मिलता है**; इसकी **प्रतिकृति** आधिकारिक आयोजनों के दौरान पहनी जा सकती है।
  - पुरस्कार विजेताओं के नाम **भारत के राजपत्र में प्रकाशित किये जाते हैं।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- यह पुरस्कार **कोई उपाधि नहीं है** और इसका प्रयोग **उपसर्ग या प्रत्यय के रूप में नहीं किया जा सकता।**
- सामान्यत: प्रति वर्ष **अधिकतम 120 पद्म पुरस्कार** प्रदान किये जाते हैं (हालाँकि इसमें **मरणोपरांत, प्रवासी भारतीय, विदेशी नागरिक एवं OCI कार्डधारक** शामिल नहीं होते)।
- **मरणोपरांत पुरस्कार** बहुत कम ही दिये जाते हैं, लेकिन **अत्यंत योग्य मामलों** में अपवाद स्वरूप प्रदान किये जा सकते हैं।

- **एक ही व्यक्ति को दो पद्म पुरस्कारों के बीच कम-से-कम पाँच वर्ष का अंतराल आवश्यक** होता है, जब तक कि कोई विशेष रूप से **उचित और असाधारण कारण** न हो।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि The Vision

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :